BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए 'होल ऑफ इंडस्ट्री' को साथ लेकर चलने वाला नज़रिया

23 सतम्बर 2026
नई दिल्ली

भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र एक नए और महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर रहा है। बड़े पैमाने पर निवेश आ रहे हैं, वनिर्माण क्षमताओं का वस्तार हो रहा है और वैश्विक कंपनियाँ भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं। इसके साथ ही, इको सस्टम अभूतपूर्व गति से वक सत हो रहा है। जैसे-जैसे उद्योग का वस्तार हो रहा है, उद्योग जगत के नेता अलग-अलग क्षेत्रों की क्षमताओं को एक सामूहिक राष्ट्रीय क्षमता में बदलने के लए उद्योग नकायों के बीच अ धक मजबूत और समन्वित ष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं।

उद्योग जगत के नेताओं की ओर से उभरता एक प्रमुख संदेश यह है क वकास के अगले चरण को कसी एक क्षेत्र के दम पर आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स वनिर्माण, कलपुर्जे, सामग्री, डजाइन, पैकेजिंग और अंतिम-उपयोग वाले अनुप्रयोग एक-दूसरे पर लगातार अ धक निर्भर होते जा रहे हैं। इस लए, सफलता केवल तकनीकी क्षमताओं और बुनियादी ढाँचे पर ही निर्भर नहीं करेगी, बल्कि उद्योग की मलकर काम करने की क्षमता भी इसमें महत्वपूर्ण भू मका निभाएगी।

सहयोग की यही भावना सेमीकॉन इं डया 2026 के दौरान आयोजित "भारत के राष्ट्रीय एजेंडे को आगे बढ़ाने में उद्योग संघों की भू मका" वषय पर आयोजित पैनल चर्चा के केन्द्र में रही। इं डया सेमीकंडक्टर मशन (आईएसएम) के सीईओ श्री अ मतेश कुमार सन्हा द्वारा संचा लत इस सत्र में प्रमुख उद्योग संघों के वरिष्ठ प्रतिनि धयों ने भाग लया और इस बात पर चर्चा की क गहन सहयोग भारत की सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स संबंधी महत्वाकांक्षाओं को गति देने में कस प्रकार मदद कर सकता है।

चर्चा में इस बात पर बढ़ती सहमति दिखाई दी क उद्योग को अ धक समन्वित "संपूर्ण उद्योग" ष्टिकोण की ओर बढ़ना चाहिए। प्रतिभा गयों ने कहा क यद्य प व भन्न उद्योग संघ इको सस्टम के अलग-अलग क्षेत्रों का प्रतिनि धत्व करते हैं, ले कन अंततः उनका साझा उद्देश्य भारत में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र का निर्माण करना है।

The panel comprised **Mr Ajit Manocha, CEO** and **President, SEMI; Mr Pankaj Mohindroo, Chairman, ICEA; Mr Rajoo Goel, Director General, ELCINA; Col. Suhail Zaidi, Director General, MAIT**; and **Mr Ashok Chandak, President, SEMI India**

चर्चा के दौरान बार-बार उभरकर सामने आया एक प्रमुख वषय व भन्न प्रौद्यो गकी क्षेत्रों के बीच बढ़ता अ भसरण था। आज चप्स का मूल्य केवल अपने आप में नहीं, बल्कि उपकरणों, उत्पादों और प्रणा लयों के साथ उनके एकीकरण के माध्यम से सृजित होता है। फैब्रिकेशन में प्रगति के लए सहायक साम ग्रयों और उपकरणों की आवश्यकता होती है, जब क वनिर्माण पैकेजिंग, टेस्टिंग और व्यापक इलेक्ट्रॉनिक्स क्षमताओं पर निर्भर करता है। उद्योग की यह परस्पर संबद्ध प्रकृति संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में अ धक मजबूत संपर्क और अ धक सुव्यवस्थित सहयोग की आवश्यकता को रेखां कत करती है।

चर्चा का एक अन्य महत्वपूर्ण वषय यह था क व्यक्तिगत सम्मेलनों और आयोजनों से आगे भी इस सहभा गता को बनाए रखने की आवश्यकता है। उद्योग जगत के नेताओं ने एक अ धक स्थायी सामुदायिक तंत्र स्था पत करने के वचार पर वचार- वमर्श कया, जो निरंतर संवाद को सुगम बना सके, व भन्न संघों के बीच समन्वय को प्रोत्साहित कर सके और राष्ट्रीय महत्व के वषयों पर सामूहिक कार्रवाई को आगे बढ़ाने में सहायता कर सके।

इस प्रस्ताव का उद्देश्य मौजूदा संघों की व शष्ट भू मकाओं को प्रतिस्था पत करना नहीं है। इसके बजाय, इसका उद्देश्य उनकी क्षमताओं और अनुभवों के आधार पर एक साझा मंच उपलब्ध कराना है, जहाँ वे व भन्न क्षेत्रों और मूल्य श्रृंखलाओं से जुड़े साझा मुद्दों पर सहयोग कर सकें। जैसे-जैसे भारत की महत्वाकांक्षाएँ वनिर्माण सु वधाओं की स्थापना से आगे बढ़कर एक व्यापक सेमीकंडक्टर इको सस्टम के निर्माण की दिशा में वक सत हो रही हैं, ऐसे संस्थागत सहयोग को रणनीतिक आवश्यकता के रूप में तेजी से देखा जा रहा है।

इस चर्चा ने व्यापक " स लकॉन से सस्टम तक" के ष्टिकोण को और मजबूत कया, जिसमें डजाइन, वनिर्माण, पैकेजिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्यो गकी समाधान एक साथ मलकर अ धक मजबूत और अ धक लचीले इको सस्टम का निर्माण करते हैं। जैसे-जैसे भारत अपनी सेमीकंडक्टर

संबंधी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ा रहा है, उद्योग जगत के नेताओं के अनुसार, वकास के अगले चरण को आकार देने में पूंजी निवेश और बुनियादी ढाँचे के वकास के रूप में सहयोग महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

इस गति को समर्थन प्रदान करते हुए, सेमीकॉन इं डया 2026 में 600 से अ धक प्रदर्शकों ने भाग लया, जिनमें लगभग 300 अंतरराष्ट्रीय कंपनियाँ शा मल थीं। इन प्रदर्शकों ने भारत के सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इको सस्टम में बढ़ती वैश्विक रु च को प्रद र्शत कया। इस आयोजन के दौरान वनिर्माण, डजाइन, पैकेजिंग, कृत्रिम बुद् धमत्ता (एआई), अनुसंधान एवं वकास (आरएंडडी), लॉजिस्टिक्स और कौशल वकास के क्षेत्रों में 56 समझौता ज्ञापनों (एमओयू), रणनीतिक पहलों और उद्योग संबंधी घोषणाएं की गई।

सरकारी सहयोग इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भू मका नभा रहा है। उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं और इं डया सेमीकंडक्टर मशन जैसी पहलों के माध्यम से घरेलू क्षमताओं को मजबूत करने और एक सु ढ़ वनिर्माण इको सस्टम के निर्माण के प्रयास कए जा रहे हैं।

सरकार ने सेमीकॉन इं डया कार्यक्रम के तहत 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें से सतम्बर 2026 तक पाँच वा णज्यिक सेमीकंडक्टर इकाइयाँ पहले ही परिचालन में आ चुकी हैं।

सामूहिक रूप से, ये घटनाक्रम एक व्यापक वास्त वकता को रेखां कत करते हैं: भारत की सेमीकंडक्टर गाथा अब केवल कारखाने स्था पत करने तक सी मत नहीं है। यह तेजी से उद्योगों, संस्थानों और प्रौद्यो ग कयों के बीच संपर्क स्था पत करने पर केन्द्रित हो रही है, जिसमें सहयोग देश में इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र की वकास यात्रा के अगले चरण की आधार शला के रूप में उभर रहा है।

पैनल में एसईएमआई के सीईओ एवं अध्यक्ष श्री अजीत मनोचा; आईसीईए के अध्यक्ष श्री पंकज महिंद्रू; ईएलसीआईएनए के महानिदेशक श्री राजू गोयल; एमएआईटी के महानिदेशक कर्नल सुहैल जैदी; तथा एसईएमआई इं डया के अध्यक्ष श्री अशोक चंडक शा मल थे।

******

पीके/केसी/केपी